जालंधर में राज्य व्यापार निगम के केन्द्र का बन्द किया जाना

1217. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राज्य व्यापार निगम के जालंधर स्थित केन्द्र को बन्द करने का निर्णय लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि खेल-कूद का सामान बनाने में लगे कुटीर उद्योग को सहायता देने के लिए इस केन्द्र की स्थापना पिछले वर्ष की गई थी; और यदि हां, तो पिछले कुछ वर्षों के दौरान केन्द्र द्वारा उद्योग को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस केन्द्र को खेल-कूद का सामान बनाने वाले उद्योग को आयातित तथा देश में ही उत्पादित कच्चा माल सप्लाई करने का दायित्व दिया गया था; और

(ङ) यदि हां, तो क्या केन्द्र स्थानीय उद्योग की कच्चे माल की मांग को पूरा करने में समर्थ रहा; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय के (स्वतंत्र प्रभार) के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) तथा (ख) जालंधर स्थित एस टी सी ब्रांच को बंद किए जाने का प्रस्ताव नहीं है। एस टी सी ब्रांच में खेल के सामान के लिए एक डिजाइन सह विकास केन्द्र शामिल है जिसका उद्देश्य खेल सामान के निर्यातकों के लिए कतिपय कच्ची सामग्री सप्लाई करना तथा परीक्षण एवं मशीनी सुविधाएं प्रदान करना है। परीक्षण तथा मशीनी सुविधाओं के उपयोग के संबंध में अपर्याप्त प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव है कि केवल कतिपय कच्ची सामग्री की सप्लाई ही जारी रखी जानी चाहिए।

(ग) यह केन्द्र वर्ष 1984 में स्थापित किया गया था। एस टी सी खेल सामान उद्योग के लिए एक कच्ची सामग्री बैंक संचालित करता था और 1985-86 से 1990-91 की अवधि के दौरान लगभग 2.8 मिलियन मीटर बेत प्राप्त की गई और उसे खेल सामान निर्यात संवर्धन परिषद की सिफारिश पर हाकी स्टिक, क्रिकेट बैट एवं बैंत के उपयोग वाले अन्य उपस्करों के 60 विनिर्माताओं/निर्यातकों के बीच वितरित किया गया। वर्ष 1987-88 से 1990-91 की अवधि के दौरान लगभग 89,000 वर्ग मीटर पी यू सामग्री भी आयात की गई थी और उसे इंफलेटेबिल के विनिर्माण के लिए 21 पार्टियों को वितरित किया गया। एस टी सी ने इंफलेटेबिल के लिए कतिपय परीक्षण उपस्करों की भी स्थापना की है।

(घ) तथा (ङ) बैंत तथा आयातित पोल्यूस्थांन (पी यू) जैसी कच्ची सामग्री प्राप्त की गई थी और उसे उन विनिर्माताओं/निर्यातकों को सप्लाई किया गया जिन्होंने ऐसी मदों के लिए मांग की थी। बैंत तथा आयातित पी यू सामग्री की अधिप्राप्ति एस टी सी के माध्यम से सरणीकृत नहीं है और विनिर्माता/निर्यातक इन मदों को सीधे ही प्राप्त कर सकते हैं। जालंधर स्थित केन्द्र काफी हद तक खेल सामान विनिर्माताओं की कच्ची सामग्री की मांगों को पूरा करने में समर्थ रहा है।

Pay scales of Dressers working in CGHS

1218. SHRI MOHD. KHALEELUR-RAHMAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what are the reasons for the pay scale of Dressers working in CGHS not being at par with the pay scale of Homoeopathi Pharmacists and E.C.G./Dental technicians;

(b) whether any representation has been received by Government from the Dressers in this regard;

(c) if so, what are the details thereof and what action has been taken thereon; and